चहकने की ललक

अंक 4

परिवर्तन
PARIVARTAN
समेकित ग्रामीण समुदाय विकास हेतु तक्षशिला की पहल
ग्राम : नरेन्द्रपुर, प्रखंड : जीरादेई
जिला : सिवान, बिहार
दूरभाष : 07759863369
तक्षशिला

बाल संवाद

प्यारे दोस्तो,

आपके हाथ में मैं हूँ ''चहकने की ललक''! हाँ, यही नाम मुझे लिखने वाले बाल लेखकों ने दिया है। ये परिवर्तन के बच्चे जो मेरे लिए लिखते हैं, उनका यह मानना है कि जब वह मुझसे जुड़े, मेरे लिए लिखा तो उन्होंने खुद की उन्मुक्त महसूस किया। और वे बेहद खुश हुए। उन दोस्तों का आभार।

आपकी ही,

चहकने की ललक

दुर्गापूजा

अपनी बात

सबसे पहले हमलोगों के गाँव में दुर्गा मुर्ति बनता है। फिर पंडाल बनता है और दुर्गाजी उसमें रखाती हैं और वहाँ पूजा होता है। दुर्गापूजा बहुत धुम धाम से मनाया जाता है। एक साल हमलोगों के गाँव में एक लड़का पूजा में आया और आते ही उस बच्चे को आतंकवादी आकर पकड़ लिए और वह बच्चा खुब जोर–जोर से आवाज दे रहा था। तभी दो–चार आदमी गए और आतंकवादी ने उसे गाल पर दांते काट दिया। हमलोग को गाँम में दुर्गापूजा 10 दिन रहता है और दसवा दिन मुर्ति को डुबा दिया जाता है। हमारे गाँव में दुर्गापूजा में कोई आदमी छोला बेचता तो कोई आदमी गट्टा बेचता है। दुर्गापूजा में नौ मुर्तियाँ रहता है और सारे मुर्ति को पूजा किया जाता है। दुर्गापूजा बहुत अच्छा लगता है।

सचिन कुमार, कक्षा 4, ग्राम नरेंद्रपुर

बधाई

प्रदीप कुमार और विष्णु को **राष्ट्रीय बाल श्री सम्मान 2015** में कविता एवं विज्ञान मॉडल–मेकिंग वर्ग में चयन के लिए बधाई!

चुनाव

कविता

अपनी चमचमाती कार से
नेताजी आते हैं।
कार से उतरकर वे
अपनी तोंद सहलाते हैं।

जब–जब भी चुनाव आता
वोट मांगने आते हैं।
हाथ जोड़कर जनता के सामने
झूठी कसमे खाते हैं।

गोली रूपये तोप के दम पर
वे चुनाव जीत जाते हैं।
फिर 5 साल तक अपने बंगले में
खुब आराम फरमाते हैं।

5 साल जब बितता है।
वोट मांगने आते हैं।
जब–जब भी चुनाव आता
नेताजी आ जाते हैं।

जब चुनाव आता है।
भाषण शुरू हो जाता है।
आरोप–प्रत्यारोप चलता है।
दल बदलाव शुरू हो जाता है।

आईए–आईए हमारी पार्टी में
नेता हाक लगाते हैं।
कभी–कभी पैसे के बल पर
वोट खरीदे जाते हैं।

आदित्य भगत, कक्षा 10, ग्राम मनियाँ

पहेली

- तन पर तेरे कपड़े सुंदर
  बोलो कहां से आया
  काट–छांटकर तेरे लायक
  किसने इसे बनाया

- लड्डू पेड़ा और रसगुल्ला
  खाकर करते हल्ला–गुल्ला
  तुमने खाई ढेरो मिठाई
  अब बतलाओ किसने बनाई

उत्तर : दर्जी, हलवाई

रिंकी कुमारी, कक्षा 7, ग्राम मसुदहाँ

आने वाले चहकने की ललक (अंक 5) के लिए थीम

- 1 जनवरी नया साल
- बसंत ऋतु
- गणतंत्र दिवस
- होली
- परीक्षा
- बधाई

अपना काम कभी न भूलना

कहानी

किसी गांव में एक राजा रहता था वह अपने महल में गाय, भैंस, गदहा और कुत्ता को पाला था। राजा ने सबको काम बांटा। गदहा का काम था कि कौन–कौन जानवर चारा खा लिए और कुत्ता का काम था कि महल के अंदर को दुसरा न आये। अचानक एक दिन गदहा सो गया तो कुत्ता को खाना नहीं मिला।कुत्ता बेचारा को रात में भुख के मारे निन्द नहीं आई। तब राजा के यहां एक चोर खिड़की को काट कर घर में घुस गया पर कुत्ता ने गुस्सा से अपनी आंख बंद कर लिया। गदहा का आंख खुला तो देखा की कुत्ता सोया है और चोर घुस रहा है। गदहा बोला दोस्त दोस्त चोर घुस रहा है। वो चुप रहा, गदहा बेचारा चिल्लाने लगा। राजा ने सोचा गदहा ऐसा चिला रहा है वो गया और गदहा को मारने लगा। गदहा ने चोर के बारे में बताने की लाख कोशिश की लेकिन राजा ने उसकी बात नहीं सुनी। तब तक चोर चोरी कर के भाग गया। राजा देखा कि चोर भाग रहा है तो कुत्ता से पूछा। कुत्ता बोला कि मुझे रात में खाना नहीं मिला इसीलिए मैंने अपना आज का काम नहीं निभाया। राजा ने वहां से गदहा को भगा दिया और कहा आज के बाद तुम अपना काम कभी न भूलना।

राहुल कुमार तिवारी, कक्षा 9, ग्राम बाबूभटकन

महात्मा गांधी

जीवनी

महात्मा गांधी का पुरा नाम मोहन दास कर्मचन्द्र गांधी था। उनका जन्म 2 अक्तुबर 1863 ई में गुजरात के पोरबंदर नामक गांव में हुआ था। उनके पिता कर्मचन्द्र गांधीजी और माता पुतली बाई थी। गांधी जी सत्य अहिंसा के पुजारी थे। जब वे अपना पढ़ाई कर भारत लौटे तो अंग्रेजों द्वारा भारतीय दुख देखकर महात्मा गांधी बड़े दुखी हुए और वे स्वतंत्रता आंदोलन में खुद जुड़े। उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ कई आन्दोलन किया जिसमें से प्रसिद्ध है दांडी यात्रा। गांधी जी के प्रयत्नों से ही हमारा देश 15 अगस्त 1947 को आजाद हुआ। 30 जनवरी 1948 को दुर्भाग्यवश गांधी जी को एक सिरफिरे व्यक्ति नाथुराम गोडस ने गोली मार कर उनकी हत्या कर दी।

राजन कुमार, कक्षा 5
ग्राम संथू

राजेन्द्र बाबु

हमार बोली में

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के जन्म 3 दिसम्बर 1884 ई. में भईल रहे। जीरादेई गांव में उनका पापा जी के नाम महादेव सहाय उनका माता जी के नाम कमलेश्वरी देवी रहे। राजेन्द्र बाबु के दुगो लड़का रहलन उनकर नाम रहे मृत्युंजय प्रसाद और धनन्जय प्रसाद। राजेन्द्र बाबु के पत्नी के नाम रहे राजवंशी देवी। उनकर बहुत अच्छा स्वभाव रहे। उनका उत्तर पुस्तक पर लिखल रहे कि परिक्षक से अच्छा परिकक्षारती होलन। उनकर एगो किताब भी रहे इंडिया डिभाइडेड और बापु के कदम में उनकर संविधान निर्माण में बहुत ज्यादा योगदान रहे। उनकर मृत्यु 28 फरवरी 1968 ई. में भईल रहे।

अनिशा पांडे, कक्षा 10, ग्राम बंथू

चुटकुला

आदरणीय श्री रसगुल्ला
एवं श्रीमती रसमलाई,

आपको लपलपाते हुए प्रणाम। आज का समाचार यह है कि जलेबी देवी की बेटी बर्फी कुमारी की शादी लड्डू नगर के निवासी पेड़ा प्रसाद के बेटे गुलाब जामुन के साथ एकाएक तय हो गया है। सारे परिवार इस शुभ अवसर पर पधार कर दोनों को आशिर्वाद दें।

दर्शनाभिलाषी,
खाजा कुमार, निवासी लड्डू नगर

राहुल कुमार, कक्षा 9
ग्राम बाबूभटकन

मुहर्रम पर ध्यान

कविता

कोई न देता मुहर्रम पर ध्यान
कितना हमारा हो रहा नुकसान
पटाखा छूट रहा है प्रदूषण हो रहा है
अब कैसे करे इसका निदान
कोई न देता मुहर्रम पर ध्यान

वायु दूषित हो रही है,
सास लेने में दिक्कत आ रही है।
ऐसी समस्या आ पड़ी है।
अब कैसे करें इसका निदान
कोई नहीं देता मुहर्रम पर ध्यान

कृपा कर पटाखा ना छोड़े
वायु को आप दूषित ना करें
यह है विक्की का अच्छा विचार
कोई न देता मुहर्रम पर ध्यान

विक्की कुमार, कक्षा 10, ग्राम बलिया

पूछती है पूँछ

कविता

कुत्ते की पूँछ, पूछती है कुत्ते से
गाय की पूँछ, पूछता है गाय से
बंदर की पूँछ, पूछती है बंदर से
घोड़े की पूँछ, पूछती है घोड़े से
शेर की पूँछ, पूछती है शेर से
तेरा पेट तो खराब नहीं है ना?
दिन भर बदबू सुँघवाओगे
सारा दिन बरबाद करवाओगे

पिंकल कुमार, कक्षा 5, ग्राम खेमभटकन

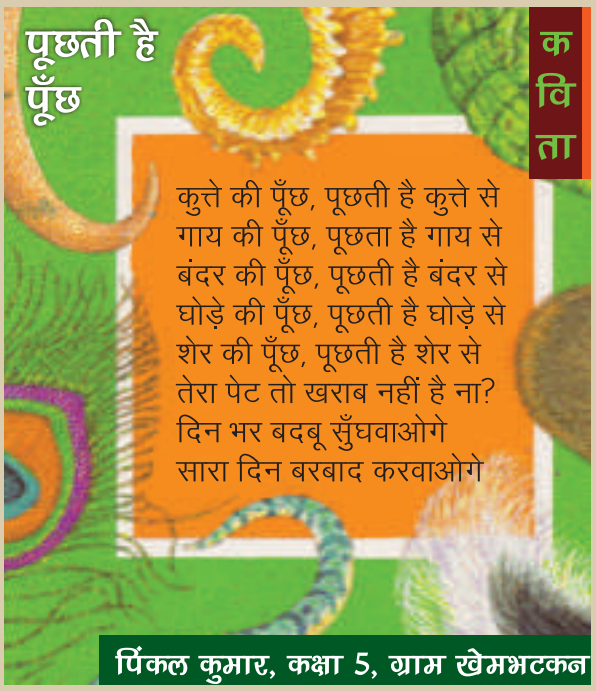

कविता

आते ही चुनाव

आते ही चुनाव
बदल जाता है सबका भाव
दिखावा के लिए करते विकास
मजबुत बनाते सबकी आस
कहते है, ये करेंगे वो करेंगे
चाहे जनता के लिए मरेंगे
सबकुछ लगा देंगे दाव
आते ही चुनाव
बदल जाता है सबका भाव

हर राज्य हर जिला में जाकर
एक से अनेक देते भाषण
वोट मांगने आते द्वार
एक झुठा सा दिखाते प्यार
जनता की मन मोह लेते
अपनी झुठी वाणी को देते
मैं आप सबका पड़ता हूं पांव
आते ही चुनाव
बदल जाता सबका भाव

जब आप बन गये सरकार
कहां गया वह झुठा प्यार
करते हैं अपनी मनमानी
मैं अमृता और तुम पानी
जनता तो मुर्ख बन जाती
सही गलत पहचान न पाती
बीच पानी छोड़ देते नांव
आते ही चुनाव
बदल जाता है सबका भाव

प्रदीप कुमार, कक्षा 9, ग्राम भरौली

अपनी बात — दिवाली

दिवाली का त्यौहार हम उस खुशी में मनाते हैं कि जब श्री राम और लक्षमण और सीता का चौदह वर्ष का जब वनवास खत्म हुआ था तो उसके अवसर पर हमलोग दिवाली का त्यौहार मनाते है। दिवाली के पाँच दिन पहले से ही हमलोग साफ सफाई करते हैं उसके बाद दिवाली के दिन रात में मां लक्ष्मी की पूजा होती है उनका मुर्ति घर में रखी जाती है। प्रसाद के रूप में लड्डू चढ़ाया जाता है। घर में चारो तरफ दिया

जलाया जाता है। छत पर मोमबती सजाया जाता है। लाईट भी लगाया जाता है। दिवाली के दिन चारों तरफ खुशी की रौशनी दिखाई देती है। हमलोग आज के दिन बहुत खुश रहते है। क्योंकि पटाखा भी छोड़ने को मिलता है। और घर में अच्छी–अच्छी चीजे खाने के लिए भी मिलता है।

कृष्णा कुमारी, कक्षा 9
ग्राम बंथू श्रीराम

लेख

मुहर्रम

मुहर्रम के महीना में कर्बला के मैदान में हासन और हुसैन अपने धर्म इस्लाम को बचाने के लिए अपने 70 आदमियों के साथ शहिद हो गये। कर्बला के मैदान में तीन दिन भूखे–प्यासे यजीदियो सीया ने शहिद कर दिया। हुसैन को पहले से ही पता था कि उन्होंने कर्बला के मैदान में शहिद होना है। हुसैन जब नमाज पढ़ रहे थे तब यजीदियो ने उनका सर तन से जुदा कर दिया इसीलिए हमलोग मोहरम का पर्व मनाते हैं। यजीदी के आगे हुसैन ने अपना सर झुका दिया। सजदे में अपने सर को कटाया हुसैन ने।

मो. गुल मुहम्मद, कक्षा 9
ग्राम नरेंद्रपुर

कविता

दुर्गापूजा

दुर्गापूजा जब है आये,
बच्चे खुब मौज उठाये
दस दिन राम की लिला होती,
बच्चे फिर स्कूल न जाये
जब अंतिम दिन आये आँखों में,
आँसू गिराये स्कूल हमें जाना पड़े
स्कूल हमे मन न भाये,
बहुत खराब लगे,
जब दुर्गापूजा बीत जाये

रिशू कुमारी, कक्षा 7
ग्राम बड़हुलिया

कविता

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

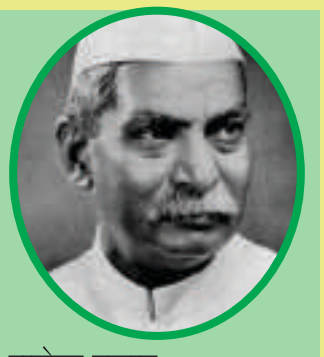

भारत रत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
करते थे अच्छे बड़े काम
3 दिसम्बर को जब जन्मे
बिहार को मिली एक नई पहचान।

बने भारत के प्रथम राष्ट्रपति
किए भारत में अच्छे काम
तब मिला उन्हें एक नई पहचान
भारत को किए महान।

भारत रत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
भारत के थे वे शान
जीरादेई को किए महान।

विपुल कुमार, कक्षा 8
ग्राम बड़हुलिया

माथा पच्ची

- कभी–कभी आम की गुठली में कीड़ा निकलता है, कभी मरा तो कभी जिन्दा। पर आम के अंदर वह पहुँचा कैसे, यह पता नहीं चलता। क्योंकि आम के उपर कोई छेद या निशान नहीं दिखता। क्या आप बता सकते हैं कि किड़ा गुठली के अंदर कैसे गया?

- एक डिब्बा में हरे, पीले और नीले रंग के चार कंचे हैं, यानी डिब्बे में कुल 12 कंचे हैं। आपको आँख बंद कर के कंचे को बिना देखे एक ही रंग के दो कंचे निकालना है। सोच कर बताइये कि आपको इसके लिए कम से कम कितने कंचे निकालने पड़ेंगे?

सूजा कुमारी, कक्षा 7, ग्राम नरेंद्रपुर

चुटकुला

एक मालिक ने नौकर से कहा : कल मेहमान आने वाले हैं, तुम कल सारा घर साफ कर देना।

नौकर : जी मालिक, ठीक है। साफ कर दूँगा।

अगले दिन मालिक पूछता है : घर साफ हो गया है?

नौकर : जी मालिक, सारा घर साफ कर दिये हैं लेकिन एक जगह बाकी है।

मालिक : कौन–सा जगह?

नौकर : आपके तिजोरी का। क्योंकि आप मुझे चाभी देंगे तब तो आपका तिजोरी साफ करेंगे।

मोहित कुमार, कक्षा 5, ग्राम संथू

अपनी बात — **भईया दुज**

भईया दुज भाई–बहन का त्यौहार है। हमलोगों के यहां इस त्यौहार को धुम–धाम से मनाया जाता है। इस दिन हमलोग गोबर का गोधन बनाते हैं। गोधन बाबा को कुटने से पहले हमलोग पुजा करते हैं और इसमें बजड़ी भूजते हैं। उसी बजरी को हमलोग भईया को खिलाते तो भाई हमको नेग देते। ये सब करने के बाद हमलोग पिड़ियां लगाते हैं। इस दिन लोगों के घर में पुरी–खीर बनता है। यह पर्व हमलोग भाई के लिए ही करते हैं। भईया को इस दिन हमलोग खुब दुआ मांगते है कि उनका उम्र लम्बी हो।

निकिता कुमारी
कक्षा 9, ग्राम नारायणपुर

आओ बनाये लूप ग्लाइडर

आवश्यक सामग्रीः कागज के टुकड़े, स्ट्रा पाइप, कैंची, टेप, गोंद।

प्रक्रियाः कागज को मोड़कर दो रोल बनायेंगे जिसमें एक के मुंह की चौड़ाई कम और एक की अधिक होगी। अब दोनों को स्ट्रा पाइप के दोनों सिरों पर टेप की मदद से चिपका देंगे। लो तैयार हो गया लूप ग्लाइडर। उसे हवा में उड़ाकर देखो। कभी चौड़ा मुंह वाला सिरा आगे को तरफ तो कभी कम चौड़ा वाला। देखो क्या होता है।

मनजीत, कक्षा 9, ग्राम खेमभटकन
नीरज, कक्षा 10, ग्राम भरौली

कविता

गांधीजी

गोरो ने जब जुल्म जमाया
एक आदमी आगे आया।
मोहन दास कर्मचन्द्र गाँधी
चारो ओर उड़ा आँधी।
सुनकर गाँधी जी की बोली
चलवाया गोरो ने गोली।
गाँधी जी ने तब उनको ललकारा
छोड़ो सब हिन्दुस्तान हमारा।

संध्या कुमारी, कक्षा 7
ग्राम बड़हुलिया

कविता

बाल दिवस

नेहरू चाचा, नेहरू चाचा
सभी लोगों को भाते हैं।
भारत के थे प्रथम प्रधानमंत्री
चाचा भी कहलाते हैं।
इनको था बच्चों से प्यार
रहते थे बच्चों के साथ।
छोटे–बड़े सभी जानते है

चाचा नेहरू था इनका नाम।
14 नवंबर को है जन्म दिवस
सभी मनाते उत्साह पूर्वक।
स्कूलो में बच्चों को
शिक्षक करते आदर–सत्कार।

नंदन कुमार, कक्षा 5
ग्राम बाबूभटकन

तक्षशिला पब्लिकेशन द्वारा परिवर्तन के लिए प्रकाशित। सज्जा एवं मुद्रणः इमेजिका ग्राफिक्स